

राष्ट्रीय भूवर्ज्ञान पुरस्कार- 2023

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने 21 भू-वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय भूवर्ज्ञान पुरस्कार (NGA) 2023 प्रदान किये ।

- प्रो. धीरज मोहन बनर्जी को फॉस्फोराइट्स और प्रीकैम्ब्रियन भूवर्ज्ञान में उनके अग्रणी योगदान के लिये लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
- डॉ. आशुतोष पांडे को पूर्वी धारवाड़ क्रेटन पर उनके शोध के लिये राष्ट्रीय युवा भू-वैज्ञानिक के रूप में सम्मानित किया गया ।

राष्ट्रीय भूवर्ज्ञान पुरस्कार:

- **परिचय:** यह वर्ष 1966 में खान मंत्रालय द्वारा स्थापित इस क्षेत्र का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित पुरस्कार है ।
 - वर्ष 2009 से पहले इन पुरस्कारों को **राष्ट्रीय खनजि पुरस्कार** के नाम से जाना जाता था ।
- **उद्देश्य:** इन पुरस्कारों का उद्देश्य खनजि अन्वेषण, खनन प्रौद्योगिकी और खनजि लाभकारीकरण तथा मौलिक व अनुप्रयुक्त भूवर्ज्ञान सहित विभिन्न भूवर्ज्ञान क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों व महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये व्यक्तियों तथा टीमों को मान्यता देना है ।
- **पात्रता:** कोई भी भारतीय नागरिक जिसने इन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया हो, इस पुरस्कार के लिये पात्र है ।
- **श्रेणियाँ:** इसे 3 श्रेणियों में दिया जाता है:
 - लाइफटाइम अचीवमेंट
 - राष्ट्रीय भूवर्ज्ञान पुरस्कार
 - राष्ट्रीय युवा भू-वैज्ञानिक पुरस्कार ।
- **भूवर्ज्ञान,** जिसे पृथ्वी वर्ज्ञान के रूप में भी जाना जाता है, **पृथ्वी का अध्ययन है** जिसमें इसकी सतह, प्रक्रियाएँ, प्राकृतिक संसाधन, जल तथा पारस्थितिकी तंत्र शामिल हैं । इसमें **भूवर्ज्ञान (पृथ्वी की संरचना एवं इतिहास की जाँच)** और **भूभौतिकी** (पृथ्वी की आंतरिक संरचना का अध्ययन करने हेतु अनुप्रयुक्त गणित और भौतिकी) जैसे विषय शामिल हैं ।

और पढ़ें: [राष्ट्रीय भूवर्ज्ञान पुरस्कार](#)